सुलभ साहित्य-माला पाँचवाँ पुष्प

शरत्-साहित्य

बाम्हनकी बेटी, प्रकाश और छाया, विलासी,
एकादशी बैरागी, बाल्य-स्मृति



अनुवादकर्त्ता
धन्यकुमार जैन

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई